

ताजीरात पुं. (अर.) दंड विधि, दंड संहिता।

ताज्जुब पुं. (अर.) दे. तअज्जुब।

ताटंक पुं. (तत्.) कान का एक गहना।

ताटस्थ्य पुं. (तत्.) तटस्थता, उदासीनता, निरपेक्षता।

ताड़ पुं. (तद्.) 1. शब्द, ध्वनि 2. आघात 3. एक वृक्ष जिससे ताड़ी तथा नीरा प्राप्त किया जाता है।

ताड़क वि. (तद्.) ताड़ने या आघात करने वाला पुं. अधिक, जल्लाद।

ताड़का पुं. (तत्.) एक राक्षसी का नाम, जिसे राम ने मारा था।

ताड़काफल पुं. (तत्.) बड़ी इलायची।

ताड़कायन पुं. (तत्.) विश्वामित्र के पुत्र का नाम।

ताड़कारि पुं. (तत्.) रामचंद्र।

ताड़केय पुं. (तत्.) ताड़का का पुत्र, मारीच।

ताड़न पुं. (तत्.) 1. मार 2. फटकार 3. डाँट-डपट 4. अनुशासन।

ताड़ना स.क्रि. (तत्.) 1. भाँप लेना, जान लेना 2. मारना 3. सजा देना स्त्री. (तद्.) मार, प्रहार।

ताड़नी स्त्री. (तत्.) कोड़ा, चाबुक।

ताड़नीय वि. (तत्.) दंडनीय।

ताड़ल वि. (देश.) उतावला, अधीर।

ताड़ि स्त्री. (तत्.) दे. ताड़ी।

ताड़ित वि. (तत्.) 1. दंडित 2. मार खाया हुआ।

ताड़ी स्त्री. (तत्.) 1. छोटे ताड़ का पेड़ 2. एक आभूषण 3. ताड़ के वृक्ष से निकलने वाला मादक रस 4. संतों की ध्यानावस्था।

ताड़ुल वि. (तत्.) मारने-पीटने वाला।

ताड़ू वि. (देश.) ताड़ने वाला, भाँपने वाला।

ताड़्य वि. (तत्.) 1. ताड़ने योग्य 2. दंड के लायक 3. डाँटने-डपटने योग्य।

ताड़्यमान वि. (तत्.) 1. जिस पर मार पड़ती हो 2. लकड़ी से बजाए जाने वाला एक ढोल।

तात पुं. (तत्.) 1. पिता 2. गुरु 3. छोटे भाई या मित्र के लिए संबोधन।

तातन पुं. (तत्.) खंजन पक्षी।

तातल पुं. (तत्.) 1. लोहे का काँटा 2. ताप 3. पक्कापन 4. एक रोग वि. पितृतुल्य संबंधी।

ताता वि. (तद्.) 1. गरम 2. दुखदायी, कष्टदायक स्त्री. ताती।

ताताथेई स्त्री. (अनु.) 1. नृत्य का एक बोल 2. नृत्य।

तातार पुं. (फा.) 1. मध्य एशिया का एक देश 2. एक जाति।

तातारी वि. (फा.) 1. तातार देश से संबंधित 2. तातार देश का निवासी।

ताति पुं. (तत्.) लड़का, पुत्र।

तातील स्त्री. (अर.) छुट्टी का दिन, अवकाश मुहा. तातील मनाना- छुट्टीमनाना, मौज मस्ती करना।

तात्कालिक वि. (तत्.) 1. तत्काल का, तुरंत का 2. उसी समय का 3. उस समय का।

तात्पर्य पुं. (तत्.) 1. अभिप्राय, 2. अर्थ, मतलब प्रयो. मेरा तात्पर्य शायद आप समझ नहीं पाए।

तात्पर्य वृत्ति स्त्री. (तत्.) वाक्य के भिन्न पदों के वाच्यार्थ को एक में समन्वित करने वाली वृत्ति।

तात्पर्यार्थ पुं. (तत्.) वाक्यार्थ से भिन्न अर्थ जो वक्ता या लेखक का होता है।

तात्त्विक वि. (तत्.) 1. तत्त्व संबंधी 2. वास्तविक।

ताथेई स्त्री. (अनु.) दे. ताताथेई।

तादर्थ्य पुं. (तत्.) 1. उद्देश्य की एकरूपता 2. उद्देश्य 3. अर्थ की समानता।

तादात्म्य पुं. (तत्.) अभिन्नता, दो वस्तुओं का मिलकर अभिन्न होने का भाव।